वल् 1. *A.* 1) tegere, circumdare. 2) adhaerere, deditum esse, *c. loc.* NALOD. 3.5.: नले ... अवलत (schol. अन्वरज्यत); GITA-G. 7.40.: हृदयम् अदये तस्मिन्न् एवं वलते बलात्. (Cf. 1. वृ i. e. वर्; hib. *falaim* «I hedge, inclose».)

वलभि, **वलभी** *f.* i. q. वडभि, वडभी.

वलय *m. n.* (r. वल् s. अय) 1) quod circumdat, cingit, sepit, sepes, sepimentum. MEGH. 45. 2) armilla, brachiale. MEGH. 1.

वलाका *f.* grus. MEGH. 9.22.

वल्क् 10. *P.* (भाषणे) loqui.

वल्क *n.* (r. वल् s. क) cortex, liber. AM.

वल्कल *m. n.* (a praec. s. ल) 1) cortex, liber. 2) vestis *anachoretarum* e libro confecta. SU. 1.8.

वल्ग् 1. *P.* salire, exsilire, exsultare. MAH. 3.16123.: उभौ भूमौ निपेततुः । उभौ ववल्गतुः; 8802.: समुद्रम् ... नृत्यन्तम् इवचो "र्मिभिर् वल्गन्तम् इव वायुना; IN. 5.8.: गच्छन्त्याः ... स्तनौ तस्या ववल्गतुः. (V. वाल् et cf. angl. *walk.*)

c. आ *A.* *i. q. simpl.* MAH. 4.342.: आवल्गमानन् तं दृष्ट्वे नो 'पतिष्ठत कश्चन.

वल्गु *Adj. m. f. n.* (ut videtur a r. वल्ग् s. उ) pulcher.

वल्भ् 1. *A.* (भोजने) edere, vesci.

वल्मीक *m. n.* tumulus *praesertim formicarum.* HIT. 46.

वल्युल्, **वल्यूल्** 10. *P.* *i. q.* पल्युल्.

वल्ल् 1. *A.* *i. q.* वल्.

वल्लभ *Adj. et Subst. m.* carus, dilectus, amatus. HIT. 62. 17.70.2. Lass. 1.11. Amasius. Lass. 24.16.

वल्लव *m.* pastor. NALOD. 1.2.

वल्ह् v. बल्ह्.

वश् 2. *P.* (उश् v. gr. 361. 455. 481. 505. 613. 632.) desiderare, exoptare. SAK. 154.13.: भवनेषु ... उशन्ति ये निवासम्; RIGV. 3.10.: यज्ञं वष्टि; 21.1.: तयोर् इत् स्तोमम् उश्मसि; 23.6. 30.12. (Cf. वाञ्छ्, वाञ्छ्, gr. ῝ΕΚ (FEK), ἑκών, ἕκητι, fortasse εὔχομαι = उश् ex उक्, v. Pott. 235.268.)

वश *m.* (r. वश् s. अ) voluntas, potestas, imperium. IN. 5. 35.49. BR. 2.18.

वशिन् (a praec. s. इन्) voluntatem, potestatem, imperium habens, potens, praepotens. M. 20. BH. 5.13.

वशीकृ (e वश et कृ, v. gr. 653.) in servitutem redigere, subigere. DR. 5.21.: वशीकृतन् त्वान् द्रष्टास्मि पार्थिः.

वशानुग (e वश et अनुग sequens) voluntatem *alicujus* sequens, subjectus, obediens. *Subst. m.* servus *fem.* serva. H. 4.32.

वश्य (a वश s. य) subjectus, obediens. BH. 2.64. 6.36.

वष् 1. *P.* (हिंसायाम् *K.* वधे *V.*) ferire, laedere, occidere. *Cf.* 5. वस्.

वष्क् 1. *A.* (गतौ; scribitur etiam वस्क्) ire. *Cf.* वक्क्.

1. **वस्** 1. *P. interdum A.* (उष् gr. 455. 481. 505. 613. 632.) habitare, commorari. IN. 3.3.: उवास भवने पितुः; 1.24.: सुखम् अस्म्य् उषितस् त्वयि; N. 2.12.: ते ऽवसंस् तत्र; 5.42.: उष्य तत्र; 6.14.: नले वत्स्यामि (v. euphon. r. 100. *a.*); R. Schl. I. 25. 8.: को न्व् अस्मिन् (आश्रमे) वसति; II. 48.21.: रात्र्यै ... वसेमहि. *Cum loc. pers. apud quam quis habitat.* N. 15.7.: वस मयि. *Cum acc.* वासम्. MAN. 2.242.: ना 'ब्राह्मणे गुरौ शिष्यो वासम् आत्यन्तिकं वसेत्. Degere, e. c. *noctem.* A. 3.11.: एकरात्रोषितः; R. Schl. I. 29.1.: तां रजनीम् उष्य. *Caus.* वासयामि habitare facio. MAH. 1.5600.: चैरान् विषये स्वे न वासयेत्. (Goth. *VAS* manere, esse - *visa, vas, vêsum,* v. gr. comp. 109[a]. 1. - *visam* manemus = वसामस्, *vas* eram, erat = उवास; germ. vet. *wisu* maneo, *was* eram, erat, *wârumês* eramus; nostrum *war, gewesen,* Subst. *Wesen; an-wesend, ab-wesend;* germ. vet. *werên* manere, permanere, durare (nostrum *währen,* v. Graff. 1.938. sq.), *werêt* = cl. 10. वसयति habitat, v. gr. comp. 109[a]. 6.; *werig* perpetuus, *wirig* permanens (nostrum *wierig, langwierig*); huc etiam retulerim goth. *raz-n* domus, cum *z* = francogall. *z,* propter sequentem liquidam, v. gr. comp. 86.5., mutato *v* in *r,* v. gr. comp. 19.; hib. *fosaim* «I stay, rest, lodge», *fosra* «a dwelling, abode»; *arasaim* habito =